Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BSAECCT-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Reappear Examination August – 2021

B.Sc. Yoga Science, Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Fourth

Basic of Sanskritam

Time: 3 Hours **Max. Marks: 35**

नोट : यह प्रश्नपत्र पैत्तीस (35) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (7) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×7=21)**

1. पठ् धातु कर्मवाच्य के लट् लकार में सभी रूप लिखिए।
2. देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
   तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति।। – का हिन्दी अर्थ लिखिए।
3. कृ धातु कर्मवाच्य में लोट् लकार में सभी रूप लिखिए।
4. "इको यणचि" सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
5. भू धातु के भाववाच्य में सभी लकारों में (लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्) रूप लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दो (2) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(7×2=14)**

1. आश्रमे ..... निवसन्तिस्म (ऋषिः, ऋषी, ऋषयः)। शुद्ध रूप कोष्ठक में लिखिए।
2. राम शब्द के प्रथमा, द्वितीया विभक्ति में तीनों वचनों में रूप लिखिए।
3. नदी शब्द के प्रथमा, द्वितीया विभक्ति में रूप लिखिए।
4. अध्यापकः छात्रं .....। (प्रच्छ्) – इस धातु का रूप कोष्ठक में लिखिए।
5. गुरु शब्द के तृतीया विभक्ति में रूप लिखिए।
6. तं तथा कृपयाविष्टमश्रुपूर्ण .....।। – श्लोक पूरा कीजिए।
7. लिख् धातु लट् लकार रूप लिखिए।
8. हस् धातु लोट् लकार रूप लिखिए।

----------x----------